



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 415]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 21, 2001/ज्येष्ठ 31, 1923

No. 415]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 21, 2001/JYAISTHA 31, 1923

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी आजार अनुभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जून, 2001

का. आ. 579(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आईसीआईसीआई लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋण पत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपए मात्र से अनधिक मूल्य के निम्न अप्रतिभूत मोष्टनीय बांड (आईसीआईसीआई बांड—जून, 2001) प्राधिकृत करती है :—

1. इनकैश बांड;
2. रेगुलर इन्कम बांड;
3. मनी मल्टीफ्लायर बांड;
4. चिल्ड्रन ग्रोथ बांड;
5. पेंशन बांड।

[फा. सं. 6/8/सी.एम./2001]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Section)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st June, 2001

S.O. 579(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the India Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the unsecured Redeemable Bonds (ICCI Bonds—June, 2001) in the nature of debentures as :—

1. Encash Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Children Growth Bond;
5. Pension Bond;

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/8/CM/2001]
Dr. J. BHAGWATI, Lt. Secy.

